सिरसा जिला

1. सिरसा जिला एक नज़र में

जिले की स्थापना	26 अगस्त 1975
शहर की स्थापना	राजा सारस द्वारा
क्षेत्रफल	4277 वर्ग किमी
प्राचीन नाम	साइरशैक
उपनाम	सरस्वती नगरी, संतों का शहर, गेहूं की टोकरी
विधानसभा	सिरसा, कालांवाली (आरक्षित), डबवाली, ऐलनाबाद, रानिया
तहसील	सिरसा, नाथूसरी चोपटा, डबवाली, ऐलनाबाद, रानिया
उपतहसील	गोरीवाला

hrgk.in

ध्यान दें: क्षेत्रफल के आधार पर सिरसा हरियाणा का सबसे बड़ा जिला है, लेकिन यहाँ जनसंख्या घनत्व सबसे कम (303 व्यक्ति/किमी²) है — यह तथ्य परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है।

2. ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल

इतिहास

सिरसा का प्राचीन नाम **साइरशैक** था, जिसका उल्लेख महाभारत, पाणिनि की अष्टाध्यायी तथा दिव्यावदान में मिलता है। पाणिनि के उल्लेख के अनुसार यह पाँचवीं शताब्दी में एक समृद्ध शहर रहा होगा। स्थानीय परंपरा के अनुसार **सारस** नामक एक राजा ने सातवीं शताब्दी में शहर की स्थापना कर यहाँ एक किले का निर्माण करवाया था; एक अन्य मान्यता के अनुसार इसका नाम निकटवर्ती पवित्र नदी सरस्वती से पड़ा। मध्ययुगीन काल में इसे 'शारसुति' के नाम से जाना जाता था, और प्राचीन काल में इसे 'सिरसापट्टन' भी कहा जाता था।

राम देव मंदिर, कागदाना

तहसील सिरसा में स्थित यह राजस्थान के संत **रामदेव जी** को समर्पित मंदिर है, जिनकी पूजा पूरे जिले में की जाती है; रामदेव जी के कई मंदिरों में से कागदाना का यह मंदिर सबसे बड़ा है। रामदेव जी को राजस्थान के बीकानेर जिले के रुनिचा से जुड़े जयपुर के तंवर राजपूत कबीले का सदस्य माना जाता है, तथा कई लोग उन्हें राजस्थान में भगवान कृष्ण का अवतार मानते हैं।

डेरा बाबा सरसाई नाथ

तेरहवीं सदी में निर्मित यह डेरा नाथ संप्रदाय के संत **सरसाई नाथ** द्वारा बनवाया गया था, जो भगवान शिव के अनुयायी थे; यहाँ शिव व दुर्गा दोनों के मंदिर स्थित हैं।

डेरा जीवन नगर

तहसील सिरसा में स्थित यह **नामधारी संप्रदाय** का एक महत्वपूर्ण केंद्र है; गांव का नाम दिवंगत प्रताप सिंह की माता जीवन कौर के नाम पर 'जीवन नगर' रखा गया था।

गुरुद्वारा गुरु गोबिंद सिंह, चोरमार खेड़ा

तहसील डबवाली में स्थित इस गुरुद्वारे के बारे में कहा जाता है कि **गुरु गोबिंद सिंह जी** एक रात के लिए यहाँ ठहरे थे; यहीं 'चोरमार लड़ाई' भी हुई थी।

राधा स्वामी सत्संग घर, सिकंदरपुर

सिकंदरपुर गांव में स्थित एक विशाल सत्संग भवन है।

hrgk.in

3. जिले की अन्य महत्वपूर्ण बातें

ऐतिहासिक समयरेखा

- **1398** तैमूर का हरियाणा में सर्वप्रथम प्रवेश रानिया से हुआ।
- **1818** रानिया का विद्रोह हुआ, जिसका नेतृत्व जाबित खां ने किया।
- **29 अप्रैल 1948** मस्ताना जी महाराज ने डेरा सच्चा सौदा की स्थापना की।
- **26 अग 1975** सिरसा जिले की स्थापना हुई।
- **1 नवं 1980** 'सुर्खाब' — हरियाणा पर्यटन निगम के बार सुविधा वाले रेस्तरां का उद्घाटन हुआ।
- **2001** लीलाधर दुःखी संग्रहालय की स्थापना हुई।
- **2003** चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय (CDLU) की स्थापना हुई।

- **2013** मांगेआना गांव में इजराइल के सहयोग से फल उत्कृष्टता केंद्र स्थापित हुआ।

पर्यटन स्थल

- **सुर्खाब** – सिरसा; हरियाणा पर्यटन निगम का बार सुविधा वाला रेस्तरां (उद्घाटन 1 नवम्बर 1980)।
- **शिकारा** – आसा खेड़ा में स्थित।
- **काला तीतर** – अबूब शहर में स्थित; यह पंजाब, हरियाणा व राजस्थान की सीमा के निकट है।

धार्मिक स्थल एवं मेले

- **संत बाबा बिहारी की समाधि** – सिरसा में स्थित।
- **डेरा सच्चा सौदा** – सिरसा; स्थापना 29 अप्रैल 1948 (मस्ताना जी महाराज)।
- **चिल्ला साहिब गुरुद्वारा** – सिरसा; गुरु नानक देव जी को समर्पित।
- **सती दादी का मेला** – कुमारिया गांव में लगता है।
- **भूमन शाह का मेला** – सिरसा में लगता है।

ऐतिहासिक स्थल एवं घटनाएं

- **ख्वाजा पीर का मकबरा** – सिरसा में स्थित (नोट: ख्वाजा खिज्र का मकबरा सोनीपत में है)।
- **राजा भोजदेव का अभिलेख** – सिरसा में मिला; यह सिरसा में पाशुपत संप्रदाय के शासन का प्रमाण है।
- **तैमूर का प्रवेश** – सन 1398 में तैमूर ने हरियाणा में सर्वप्रथम रानिया से प्रवेश किया था।
- **रानिया का विद्रोह** – सन 1818 में हुआ; नेतृत्व जाबिता खां ने किया।
- **रानिया का पुराना नाम** – राजबपुर था।
- **ऐलनाबाद का पुराना नाम** – खडियल/खडियार था।

शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

- **CDLU** (चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय) – सिरसा; स्थापना 2003।
- **केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान** – सिरसा में स्थित।
- **जवाहर नवोदय विद्यालय** – ओढ़ां (सिरसा) में स्थित।
- **लीलाधर दुःखी संग्रहालय** – सिरसा; स्थापना 2001।
- **राजकीय ऊंट प्रजनन केंद्र** – प्रदेश में सिरसा में स्थित है।
- **फल उत्कृष्टता केंद्र** – मांगेआना गांव; 2013 में इज़राइल के सहयोग से स्थापित।

hrgk.in

खेल स्थल

- **शहीद भगत सिंह स्टेडियम** – सिरसा में स्थित।
- **शाह सतनाम सिंह क्रिकेट स्टेडियम** – सिरसा में स्थित।

भूगोल

- **बाढ़ का कारण** – सिरसा में बाढ़ का मुख्य कारण घग्गर-हकरा नदी है।
- **बाढ़ के मैदान** – घग्गर नदी द्वारा निर्मित मैदानों को 'नैली/नाला' कहा जाता है।

सिरसा के प्रथम / रिकॉर्ड

- **सिख जनसंख्या** – प्रदेश में सर्वाधिक सिख धर्म के लोगों की संख्या सिरसा में है।
- **कृषि उत्पादन** – गेहूं, कपास, आंवला, चीकू, गाजर व आड़ू का सर्वाधिक उत्पादन सिरसा में होता है।
- **सबसे कम वर्षा** – प्रदेश में सबसे कम वर्षा सिरसा में होती है (सबसे अधिक वर्षा अंबाला में)।
- **सिंचाई नहरें** – हरियाणा में सर्वाधिक सिंचाई नहरों के माध्यम से सिंचाई सिरसा में होती है।
- **गौवंश एवं गौशालाएं** – प्रदेश में सबसे ज्यादा गौवंश व गौशालाओं की संख्या सिरसा में है।
- **पश्चिमी गांव** – हरियाणा का सबसे पश्चिमी गांव चौटाला (सिरसा) है।

hrgk.in

4. महान व्यक्तित्व

नाम	परिचय / योगदान
चांदबाई	हरियाणा से पहली महिला जेल सत्याग्रही।
सविता पूनिया	जोधका गांव; अंतरराष्ट्रीय हॉकी संघ द्वारा 2022 की बेस्ट गोलकीपर चुनी गईं; 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान की जिला स्तरीय ब्रांड एंबेसडर।
गणेशी लाल	ओडिशा राज्य के पूर्व राज्यपाल।
गोपीचंद भार्गव	स्वतंत्र भारत में पंजाब के पहले मुख्यमंत्री।
रुपिंदर हांडा	पंजाबी गायिका।
सम्राट शंकर जादूगर	ऐलनाबाद।
सुनील ग्रोवर	प्रसिद्ध कॉमेडियन; डॉ. गुलाटी व गुत्थी किरदारों के लिए प्रसिद्ध।

गजेंद्र वर्मा	प्लेबैक सिंगर; एल्बम 'एम्प्टीनेस' का गाना 'तूने मेरे जाना'।
सरदारा सिंह	भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान।
शैलजा कुमारी	सिरसा लोकसभा सीट की सांसद।
चौ. देवीलाल सिहाग	तेजाखेड़ा; बाद में चौटाला गांव में बसे।
चौ. ओमप्रकाश चौटाला	हरियाणा के सर्वाधिक बार (5 बार) मुख्यमंत्री बने।
जसविंदर बराड़	पंजाबी लोक गायक।

hrgk.in